राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चंपावत

उत्तराखंड उच्च शिक्षा: ज्ञान, प्रगति और भविष्य की ओर।

ध्येय वाक्य: विद्या ददाति विनयम् (स्थापना: 2014)

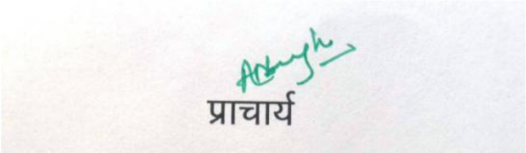

प्रो. (डॉ.) आनन्द प्रकाश सिंह

उत्तराखंड उच्च शिक्षा के लक्ष्यों की ओर

प्राचार्य की कलम से

माँ पूर्णागिरी के पावन सान्निध्य को नमन!

राजकीय महाविद्यालय बनबसा , उत्तराखंड उच्च शिक्षा क्षेत्र में ज्ञान, आस्था और सेवा का एक अद्वितीय केंद्र है। यह 'कॉफ़ी टेबल बुक' हमारी विकास गाथा, उपलब्धियों और भविष्य की दृष्टि को समर्पित है, जो उत्तराखंड राज्य के रजत जयंती वर्ष के उत्साह को समाहित करती है।

हमारी संस्था का ध्येय वाक्य , 'विद्या ददाति विनयम', हमारी शैक्षणिक संस्कृति का मूल आधार है। 2014 में स्थापित यह महाविद्यालय , उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग के लक्ष्यों से सीधे संरेखित है, जहाँ हमने इस संस्थापक दशक (2014-2025) में समग्र व्यक्तित्व विकास पर बल दिया है।

हमारा प्रयास छात्रों को नैतिकता और वैज्ञानिक सोच से युक्त करना है , ताकि वे सामाजिक विसंगतियों, यथा मद्यपान, नशा और ड्रग्स , के निवारण हेतु सक्षम बन सकें। सीमांत क्षेत्र के युवाओं के सामाजिक आत्मसात और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध यह महाविद्यालय , ज्ञान, कौशल और मूल्यों के समन्वय से एक ऐसा केंद्र बना रहेगा, जिस पर प्रदेश और राष्ट्र गर्व कर सके।

प्राचार्य

प्रो. (डॉ.) आनन्द प्रकाश सिंह

सीमांत से शिखर तक: एक दशक की गौरवशाली यात्रा (2014-2025)

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, का जन्म राज्य सरकार के एक विशिष्ट और रणनीतिक विधायी निर्णय के माध्यम से हुआ था। महाविद्यालय की स्थापना को 9 जून 2014 को सरकारी आदेश संख्या 827/xxiv(7)-9(6)2014 द्वारा औपचारिक रूप से अधिकृत किया गया था। यह सीमावर्ती क्षेत्र में उच्च शिक्षा तक पहुँच प्रदान करने के राज्य के सुनियोजित कार्रवाई का प्रमाण है।

संस्था ने अपनी यात्रा प्राथमिक चिकित्सालय के अस्थायी भवन से प्रारंभ की। प्रथम प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) आर. के. गुप्ता ने आधारशिला रखी। संस्थान के इतिहास में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब 2019 में, प्रो. (डॉ.) आर. सी. पुरोहित के नेतृत्व में, इसे अपना सुसज्जित और नवनिर्मित स्थायी भवन प्राप्त हुआ। यह भवन उच्च शिक्षा की क्षेत्रीय आकांक्षाओं का मूर्त रूप है। प्रारंभिक वर्षों में, संस्था का मुख्य ध्यान भूमि आवंटन, प्रशासनिक अनुपालन और स्टाफिंग पर केंद्रित था। आज, यह संस्था उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग के एक सफल मिशन के रूप में खड़ी है।

महाविद्यालय के स्थायी भवन

रणनीतिक स्थिति: ज्ञान, आस्था और सामाजिक उत्थान का केंद्र

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, की पहचान उसकी विशिष्ट भौगोलिक और सामाजिक महत्ता से जुड़ी हुई है। यह संस्थान नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा और उत्तर प्रदेश की राज्य सीमा के पूर्ण पड़ोस में स्थित है , साथ ही छावनी क्षेत्र के निकट है। यह सामरिक स्थान महाविद्यालय की स्थापना के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है।

सांस्कृतिक और सामाजिक दायित्व:

- संस्थान माँ पूर्णागिरी मंदिर के पावन सान्निध्य से ऊर्जा प्राप्त करता है।
- यह क्षेत्र विशेष रूप से 'थारू' जनजाति से प्रभावित है। इसलिए, महाविद्यालय की शैक्षणिक नीतियां अनिवार्य रूप से इस विशिष्ट जनसांख्यिकीय के शैक्षणिक और सामाजिक उत्थान पर केंद्रित हैं।
- महाविद्यालय का अधिदेश व्यापक राज्य नीति से लिया गया है , जो नैतिक मूल्यों (संयम सत्य स्नेह का वर दे...) और राष्ट्रीय एकता के लिए धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने पर ज़ोर देता है।

शारदा नदी का प्राकृतिक दृश्य

शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर: कार्यक्रमों का विकास एवं गुणवत्ता आश्वासन

महाविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण और लक्ष्य-उन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शैक्षणिक शुरुआत कला संकाय के तहत छह विषयों (हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान) तक सीमित थी।

शैक्षणिक उद्देश्य:

- मूल्य आधारित शिक्षा: चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों को विकसित करना।
- सामाजिक समावेशन: छात्रों को मानव अधिकारों, लैंगिक समानता और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना।
- बौद्धिक गहनता: आलोचनात्मक और तर्कसंगत् ढंग से सोचने की क्षमता विकसित करना।

सुदूर/पिछड़े संदर्भों में शिक्षकों को छात्रों के साथ वास्तव में कड़ी मेहनत करनी पड़ती है , जिसके लिए गहन और इंटरैक्टिव शिक्षण की आवश्यकता होती है। संस्थान का लक्ष्य केवल अकादमिक परिणाम उत्पन्न करने से परे है; यह सामाजिक आत्मसात और उत्थान को शामिल करने के लिए विस्तारित होता है।

शिक्षण स्टाफ और कर्मचारियों का आधिकारिक समूह फोटो

शैक्षणिक स्थिरीकरण: स्वीकृत क्षमता और नामांकन में अभूतपूर्व वृद्धि

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, ने 2014 में अपनी स्थापना के बाद से **तेज शैक्षणिक स्थिरीकरण** प्राप्त किया है।

क्षमता का प्रमाणन:

- संस्थान की **यूजी (3 वर्षीय कार्यक्रम) के लिए स्वीकृत प्रवेश क्षमता** लगातार **2018-19** से **360 छात्र** पर स्थिर रही है। यह 2014-2017 की प्रारंभिक स्थापना अवधि के बाद, 2018-19 में **पूरी तरह से परिचालित और स्थिर क्षमता** में सफल संक्रमण को चिह्नित करता है।

नामांकन उत्कर्ष:

- कुल नामांकन 2014-15 के 57 छात्रों से बढ़कर 2024-25 में **350** के शिखर पर पहुंच गया है, जो लगभग **514%** की प्रभावशाली वृद्धि है। यह वृद्धि शैक्षिक समावेशन और समान अवसरों की उपलब्धता के संदर्भ में एक सशक्त उदाहरण है।

संस्था **NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद)** और **NIRF (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क)** जैसी अनिवार्य गुणवत्ता प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती है , जो इसकी **परिपक्व संस्थागत दृष्टिकोण** को दर्शाती है।

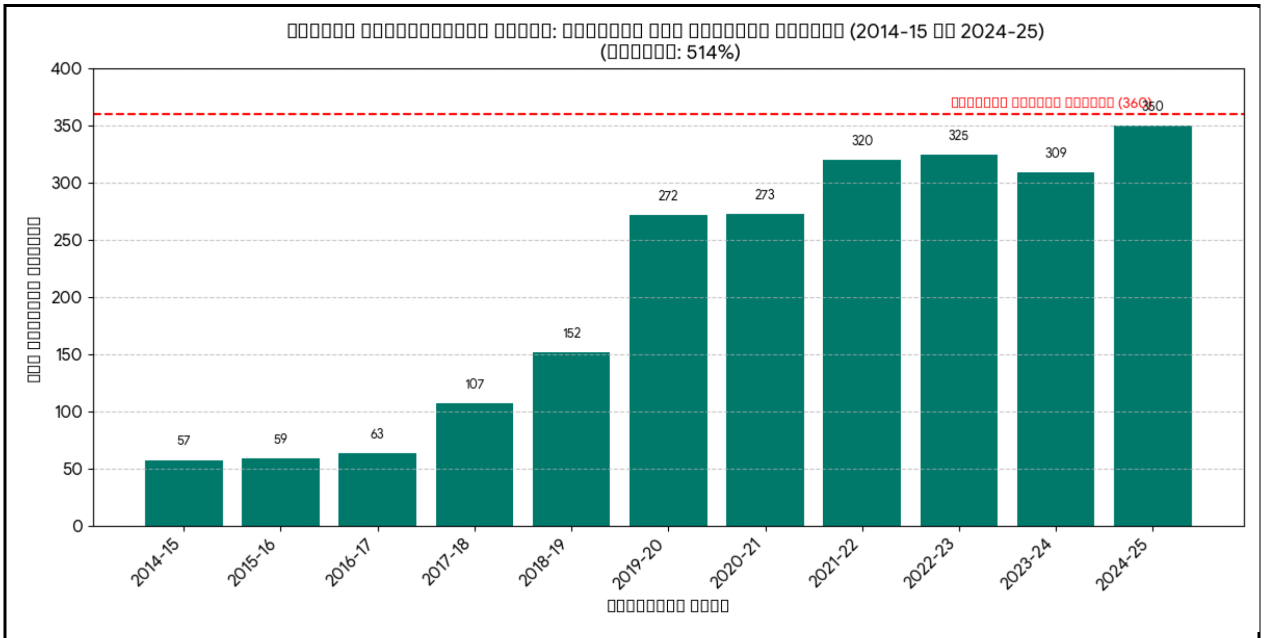

नामांकन वृद्धि का बार ग्राफ (514% वृद्धि और 360 की स्थिर क्षमता को दर्शाते हुए)

लैंगिक, वर्ग आधारित सशक्तिकरण एवं प्रशासनिक संरचना

समावेशन, प्रशासन और पारदर्शिता की दिशा

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का एक सक्रिय वाहक है, जो शैक्षिक प्रगति को मजबूत प्रशासनिक संरचनाओं के साथ जोड़ता है।

महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम प्रमाण:

- महिला छात्रों के नामांकन में 2014-15 के 27 से बढ़कर 2024-25 में 217 तक, 704% की असाधारण वृद्धि दर्ज की गई है।
- आरक्षित वर्ग: अनुसूचित जाति (SC) के छात्रों का नामांकन 14% से बढ़कर 32% तक पहुँच गया है, जो उच्च शिक्षा में भागीदारी बढ़ाने का स्पष्ट प्रमाण है।

प्रशासनिक स्थिरीकरण:

- शैक्षणिक स्थिरीकरण की अवधि के समानांतर, 2018-2019 सत्र में औपचारिक छात्र संघ का गठन किया गया, जो लिंडोह समिति के दिशानिर्देशों का पालन करता है।

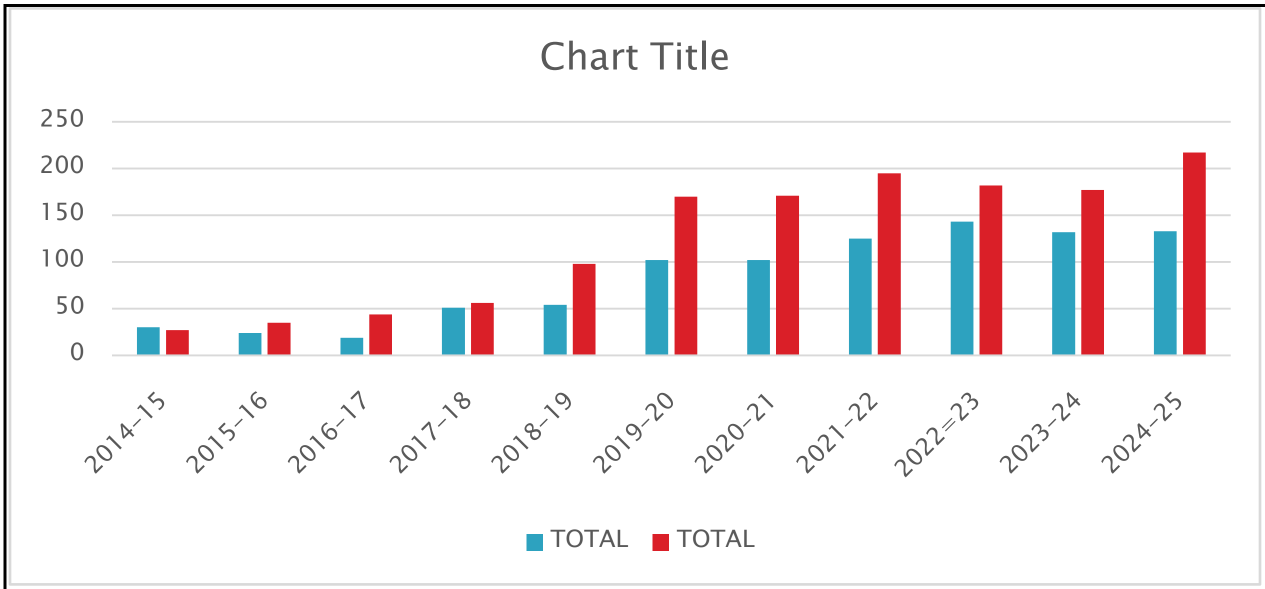

लिंग आधारित प्रतिशत ग्राफ (704% महिला वृद्धि को दर्शाते हुए)

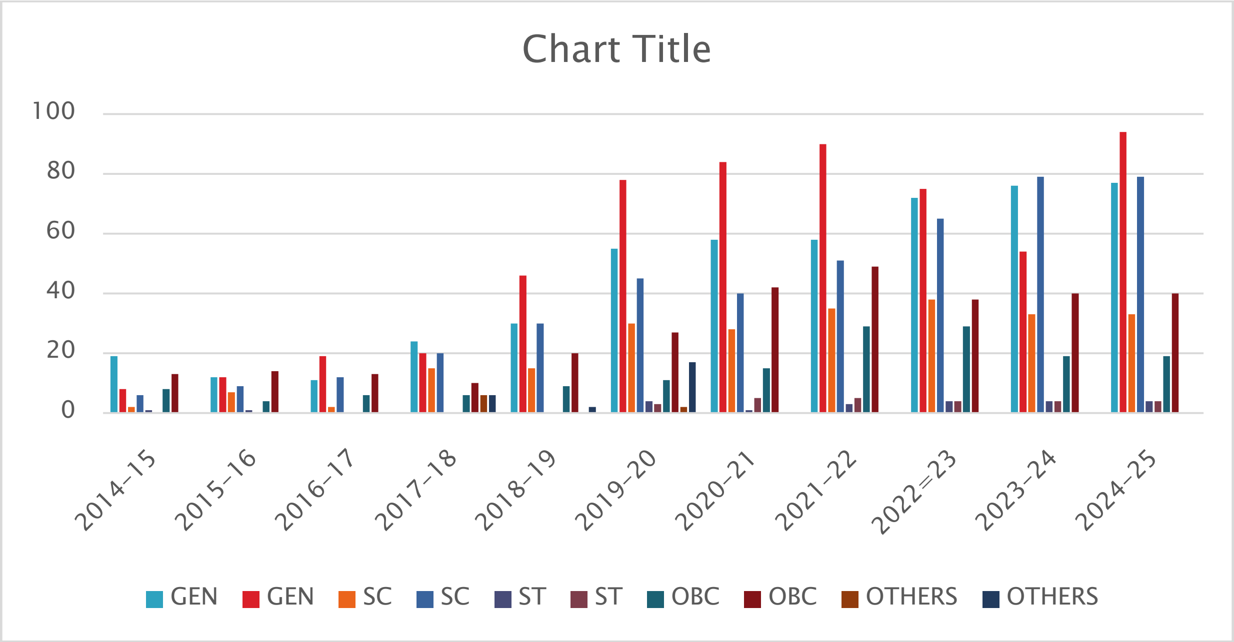

जाति आधारित प्रतिशत ग्राफ (704% महिला वृद्धि को दर्शाते हुए)

प्रशासनिक उद्भव: संस्थागत कालक्रम का निर्णायक विश्लेषण

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, का प्रथम चरण (2014-2017) मुख्य रूप से प्रारंभिक स्थापना, स्टाफिंग और भौतिक संसाधनों को स्थापित करने पर केंद्रित था । महाविद्यालय की स्थापना 9 जून 2014 को सरकारी आदेश संख्या 827/xxiv(7)-9(6)2014 द्वारा औपचारिक रूप से अधिकृत की गई थी।

स्थिरीकरण का काल:

- प्रशासनिक ढाँचा: इसी अवधि के समानांतर , 2018-2019 सत्र में औपचारिक छात्र संघ का गठन किया गया था , जो लोकतांत्रिक जुड़ाव और छात्र प्रतिनिधित्व के प्रति समग्र संस्थागत दृष्टिकोण को दर्शाता है।

छात्र संघ निर्वाचन 2025-26

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, में सत्र **2025-26** हेतु छात्र संघ निर्वाचन की प्रक्रिया अत्यंत **स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्यों** का प्रदर्शन करते हुए संपन्न हुई है। इस वर्ष सभी पदों पर **निर्विरोध निर्वाचन** हुआ। **गायत्री** को अध्यक्ष, **विशाल चन्द** को उपाध्यक्ष (छात्र), और **कोमल पन्त** को उपाध्यक्ष (छात्रा) चुना गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य (संरक्षक) डॉ. आनंद प्रकाश सिंह ने इसे **सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण** की स्थापना का परिचायक बताया। छात्र प्रतिनिधियों ने कर्तव्यनिष्ठा एवं छात्र हित में समर्पण की शपथ ली है, जिससे यह विश्वास व्यक्त होता है कि नवनिर्वाचित छात्र संघ छात्र कल्याण और विकास के नए आयाम स्थापित करे|

राजकीय महाविद्यालय बनबसा
विद्या ददाति विनयम्
स्थापना वर्ष- 2014

राजकीय महाविद्यालय बनबसा
विद्या ददाति विनयम्
स्थापना वर्ष- 2014

नेतृत्व की श्रृंखला और समर्पित संकाय की नींव

महाविद्यालय की प्रगति को कुशल नेतृत्व की एक समर्पित श्रृंखला द्वारा पोषित किया गया है।

प्रथम प्राचार्य प्रोफ़ेसर (डॉ.) आर. के. गुप्ता

वर्तमान प्राचार्य प्रोफ़ेसर (डॉ.) आनंद प्रकाश सिंह

वर्तमान संकाय और संस्थापक योगदान:

- **वर्तमान संकाय:** डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. भूप नारायण दीक्षित, डॉ. राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. सुशीला आर्या, डॉ. सुधीर मलिक, और श्री हेम कुमार गहतोड़ी शिक्षा के उच्च मानकों को बनाए हुए हैं।
- **संस्थापक स्टाफ:** पूर्व प्राध्यापकों जैसे डॉ. रामनारायण पाण्डेय , डॉ. प्रवीण जैन, और डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने संस्था की मजबूत नींव रखी है।
- **शिक्षणेत्तर स्टाफ:** श्रीमती जयंती देवी , श्री त्रिलोक चंद्र कांडपाल , और श्री नरसोनू जैसे शिक्षणेत्तर कर्मचारी महाविद्यालय परिवार के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

शिक्षण स्टाफ और कर्मचारियों का आधिकारिक समूह फोटो (वर्तमान टीम)

भौतिक अवसंरचना और क्षमता मूल्यांकन

बुनियादी ढाँचा और दोहरी उपयोगिता: क्षमता का अधिकतम उपयोग

महाविद्यालय में खेल और सह-पाठयक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशिष्ट अवसंरचना सुविधाओं की पुष्टि की गई है।

पुष्टि की गई अवसंरचना:

- **खेल सुविधाएँ:** परिसर में इनडोर और आउटडोर दोनों तरह की खेल सुविधाएँ मौजूद हैं । इनमें क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, और बैडमिंटन के लिए मैदान और कोर्ट शामिल हैं।
- **अन्य सुविधाएँ:** टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम के लिए इनडोर सुविधाएँ , साथ ही एक जिमनास्टिक सुविधा और रोवर-रेंजर्स अनुभाग भी मौजूद हैं।

दोहरी उपयोगिता:

- **संसाधन अनुकूलन:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा **उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU)** के लिए एक दूरस्थ शिक्षा केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। यह रणनीति परिसर के कार्यात्मक उपयोग को अधिकतम करती है, जो राज्य के उच्च शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने के मूल जनादेश को पूरा करने में सहायता करती है ।

खेल मैदान/इनडोर स्पोर्ट्स सुविधा का फोटो कोलाज

दूरस्थ शिक्षा एवं मानवीय पहल

ज्ञान का विस्तार: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय केंद्र की विशिष्ट सेवाएँ

उच्च शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए , **उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) अध्ययन केंद्र (कोड 16101)** का सफल संचालन हो रहा है । 2014 में स्थापित यह केंद्र, सीमांत क्षेत्रों में '**सभी के लिए शिक्षा**' के लक्ष्य को साकार कर रहा है।

मानवीय पहल और सामाजिक न्याय: UOU केंद्र सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को मजबूत करता है:

- **बलिदानियों के परिजनों** को **100%** निःशुल्क शिक्षा।
- **दिव्यांगों** को **50%** की रियायत।
- **कैदियों** को पूर्णतः **निःशुल्क शिक्षा** प्रदान की जाती है।

अकादमिक और प्रशासनिक समर्थन:

- केंद्र में स्नातक (B.A), स्नातकोत्तर (M.A.), और डिप्लोमा (क्षेत्रीय भाषा कुमाऊँनी व लोक साहित्य) कार्यक्रम संचालित होते हैं।
- **सुश्री वंदना नयाल** ने एम.ए. (समाजशास्त्र) में **स्वर्ण पदक** प्राप्त किया है।
- **कुमारी दीक्षा उनियाल** को उत्तराखंड राज्य के लिए '**बाल विधायक**' चुना गया है।

UOU केंद्र के उद्घाटन/कार्यशाला का फोटो

अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (RDC)

ज्ञान सृजन की संस्कृति: अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ (RDC) की स्थापना

महाविद्यालय ने शिक्षण-केंद्रित संस्थान से आगे बढ़ते हुए, एक **शोध-उन्मुख अकादमिक वातावरण** बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके लिए एक सक्रिय **रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) कमेटी (RDC)** का गठन किया गया है।

RDC के उद्देश्य:

- **नवाचार को बढ़ावा देना:** संकाय और छात्रों के बीच **आलोचनात्मक सोच** को प्रोत्साहित करना।
- **शोध परियोजनाओं का समर्थन:** व्यक्तिगत और सहयोगी शोध परियोजनाओं को मार्गदर्शन प्रदान करना।
- **नैतिक अभ्यास सुनिश्चित करना:** शोध में अकादमिक ईमानदारी बनाए रखने के लिए नैतिक मानकों का पालन सुनिश्चित करना।

विभागीय शोध उपलब्धियाँ:

- पीएच.डी. सफलता: पूर्व प्राचार्य डॉ. आभा शर्मा ने भी 7 शोधार्थियों को सफलतापूर्वक पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने में मार्गदर्शन प्रदान किया है , जिनमें से एक छात्र दिगंबर सिंह ने कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल से संस्कृत विषय में यह उपाधि प्राप्त की है। संस्कृत विभाग के आचार्य (डॉ.) मुकेश कुमार के निर्देशन में 03 शोधार्थी डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी०एच०डी०) की प्रतिष्ठित उपाधि अर्जित कर चुके हैं ।

पीएचडी की उपाधि

बनबसा। दिगंबर सिंह ने कुमाऊं विवि नैनीताल से संस्कृत विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। दिगंबर सिंह के शोध प्रबंध का शीर्षक (कुमाऊं का संस्कृत विषयक) योगदान रहा।

इनका शोध कार्य राजकीय

संसू, बनबसा : राजकीय महाविद्यालय के छात्र दिगंबर सिंह ने कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल से संस्कृत विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उनके शोध प्रबंध का शीर्षक कुमाऊं का संस्कृत विषयक योगदान रहा। इनका शोध कार्य राजकीय महाविद्यालय बनबसा की प्राचार्य डा. आभा शर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ।

दिगंबर सिंह मूल रूप से पिथौरागढ़

(शोध कार्य में संलग्न संकाय सदस्य और शोधार्थी)

नवाचार: उद्यमिता और व्यावहारिक कौशल

देवभूमि उद्यमिता योजना: कौशल विकास से आत्मनिर्भरता तक का मार्ग

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, **व्यावसायिक और उद्यमशील शिक्षा** के माध्यम से कुशल कर्मियों का विकास करने के लिए **देवभूमि उद्यमिता योजना (DUY)** के तहत सक्रिय है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP):

- महाविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) के सहयोग से नियमित रूप से **12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP)** का आयोजन करता है।
- प्रशिक्षण में 35 प्रतिभागियों ने निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त किया , जिसमें **पहाड़ी अचार , सुगंधित वनस्पतियों के उत्पाद, और होम स्टे** जैसे लघु उद्योगों पर बल दिया गया।

व्यावहारिक जुड़ाव और औद्योगिक भ्रमण:

- व्यावहारिक अनुभव हेतु , **28 विद्यार्थियों** ने **आंचल डेरी दुग्ध प्लांट , खटीमा** का शैक्षिक भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने **उत्पादन और प्रसंस्करण प्रक्रिया** की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

EDP प्रशिक्षण

अंतर-विभागीय उत्कृष्टता का विमर्श

अंतर-विभागीय समन्वय और अकादमिक-साहित्यिक उत्कर्ष

महाविद्यालय में **बौद्धिक विमर्श और सांस्कृतिक सक्रियता** एक जीवंत प्रतीक है , जो विभिन्न विभागों के सक्रिय समन्वय से समृद्ध होता है।

- **अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक मंच: हिन्दी विभाग** के तत्वावधान में, **अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन** का सफल आयोजन किया गया , जिसमें **भारत एवं नेपाल** के ख्याति प्राप्त कवियों ने भाग लिया।
- **आध्यात्मिक विमर्श: संस्कृत विभाग** ने **"आस्था और संस्कृति का महाकुंभ"** विषय पर एक विशिष्ट वेबिनार आयोजित किया, जिसने छात्रों को अपनी **सनातन जड़ों** और संस्कृति की महत्ता से जोड़ा।
- **तकनीकी समन्वय: अर्थशास्त्र विभाग** ने **राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी** के साथ **MoU** पर हस्ताक्षर किए और संयुक्त रूप से **'Viksit Bharat: AI Research & Innovation...'** विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया।

विषय: आस्था और संस्कृति का महाकुंभ :पौराणिक कथाओं से वैश्वीकृत युग तक

आयोजक

संस्कृत विभाग,

खुन खुन जी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चौक, लखनऊ

एवं

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, चंपावत, उत्तराखंड

दिनांक : 11.02.25

समय : 02 .00 बजे

विशिष्ट वक्ता

25 Jul 2023 · Page 6

डॉ. अरुण प्रताप सिंह भदौरिया उत्तराखण्ड मे

साहित्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित

मंजू जोशी के काव्य संग्रह का विमोचन

हल्द्वानी। हल्द्वानी निवासी लेखिका मंजू जोशी के काव्य संग्रह का बीते दिवस बनबसा राजकीय महाविद्यालय में विमोचन किया गया। कुलेंदी साहित्यिक सेवा समिति एवं राजकीय महाविद्यालय बनबसा चंपावत हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन में ... बाजपुरी की उपस्थिति में परछाई पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में नेपाल मूल से आये साहित्यकारों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। हल्द्वानी निवासी साहित्यकार मंजू जोशी मनु की काव्य संग्रह मेरी परछाई का सभी अतिथियों ने सराहना की। मंजू जोशी पूर्व में एक निजी विद्यालय की शिक्षिका

अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन/ वेबिनार का फोटो

खेलकूद: गौरवशाली प्रदर्शन और दस्तावेज़ीकरण अंतराल

राष्ट्रीय मंच पर गौरवशाली प्रदर्शन: क्षमता और दस्तावेज़ीकरण की चुनौती

महाविद्यालय छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सह-पाठयक्रम गतिविधियों के लिए **एक मजबूत आंतरिक प्रतिबद्धता** दिखाता है।

पुष्टि की गई खेल क्षमता:

- परिसर में **इनडोर और आउटडोर** दोनों तरह की खेल सुविधाएँ मौजूद हैं , जिनमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन कोर्ट और एक **जिमनास्टिक सुविधा** शामिल हैं।
- महाविद्यालय सक्रिय रूप से **आंतरिक वार्षिक कार्यक्रम** आयोजित करता है। **दस्तावेज़ीकरण अंतराल (2015-2024):**

- **दस्तावेज़ीकरण अंतरमहाविद्यालय (2015 और 2024)** के बीच बाहरी अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में विशिष्ट ट्रॉफी जीत है।

ः दौड़ में पूजा और लता

प्रतियोगिता के दौरान दौड़ लगातीं छात्राएं। • अमृतविचार

खेल मैदान या वार्षिक क्रीड़ा का फोटो कोलाज (संस्था की शारीरिक क्षमता को दर्शाते हुए)

महिला सशक्तिकरण: कौशल और परिसर सुरक्षा

लैंगिक सुरक्षा और कौशल विकास: महिला सशक्तिकरण की पहल

महाविद्यालय **छात्रों के कल्याण** और **परिसर संस्कृति** के लिए राज्य के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करता है, विशेषकर महिला सुरक्षा पर।

सुरक्षा और समर्थन संरचनाएँ:

- संस्था **सामाजिक और सुरक्षा समितियों का एक व्यापक सेट** रखती है। इनमें **महिला सुरक्षा समिति**, **रेड क्रॉस सोसाइटी** और **एंटी-रैगिंग निकाय** शामिल हैं। यह समर्थन नेटवर्क एक **जिम्मेदार परिसर संस्कृति** को बढ़ावा देने पर संस्था के फोकस को प्रदर्शित करता है।

कौशल विकास पहल:

- **बाल विकास विभाग** की ओर से '**बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ**' कार्यक्रम के तहत छात्राओं के लिए **तीन माह का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य **महिला शिक्षा को प्रोत्साहित करना** और उन्हें **आत्मनिर्भर तथा स्वावलंबी** बनाना है।

कास प्रशिक्षण में सीखी

प्रशिक्षण समापन के मौके पर महाविद्यालय की छात्राएं। • अमृत विचार

दीपा विश्वास, अंजली, शिवानी, स्वाती गंगवार, एकता, काजल, कौशिक, लक्ष्मी, मेघा राना, नेहा रस्तोगी, नेहा सैनी, पूनम भण्डारी, प्रिया सागर, सरस्वती कुमारी, सविता कोहली, सीमा जोशी, कशिश, निशा भट्ट आदि उपस्थित रहीं। प्रशिक्षक अंकित पुरी ने

कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया

नबसा : राजकीय हाविद्यालय बाल विकास भाग की ओर से टी बचाओ बेटी ढ़ाओ कार्यक्रम अंतर्गत छात्राओं लिए कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम शुभारंभ।

महाविद्यालय में कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करती छात्राएं।

क्रवार को बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी पुष्पा चौधरी मिशन क्ति योजना के जिला समन्वयक दीपक सिंह महाविद्यालय में चल रहे कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान मिशन शक्ति योजना के जिला मन्वयक दीपक सिंह ने छात्राओं से कम्प्यूटर से संबंधित प्रश्नोत्तर और चर्चा र छात्राओं को स्वावलंबी होने के लिए जागरूक किया। प्राचार्य डॉ. आभा शर्मा बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने ताया कि प्रशिक्षण आईटीएम खटीमा के सहयोग से चलाया जा रहा है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ/कंप्यूटर प्रशिक्षण का फोटो

सामाजिक उत्तरदायित्व और नवाचार

सामुदायिक जुड़ाव: नशा मुक्ति संकल्प और उद्यमिता का मार्ग

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, समाज के प्रति अपने **उत्तरदायित्व** को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

नशा मुक्त परिसर पहल:

- संस्था **तंबाकू मुक्त परिसर पहल** और **एंटी-ड्रैगिंग निकाय** रखती है। **एन्टी ड्रग सेल** द्वारा 'नशा मुक्त उत्तराखण्ड' और **"मिशन ड्रग फ्री कैम्पस"** को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

उद्यमिता और संसाधन अनुकूलन:

- महाविद्यालय **देवभूमि उद्यमिता योजना** (**DUY**) के तहत **12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** का आयोजन कर **व्यावसायिक और उद्यमशील शिक्षा** को बढ़ावा देता है।
- एक महत्वपूर्ण परिचालन रणनीति के रूप में , महाविद्यालय **उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय** (**UOU**) के लिए एक **दूरस्थ शिक्षा केंद्र** के रूप में भी कार्य करता है। यह **बहु-कार्यात्मक संसाधन अनुकूलन** परिसर के उपयोग को अधिकतम करता है।

एंटी-ड्रग्स जागरूकता रैली का फोटो

गुणवत्ता आश्वासन और अनुपालन

राष्ट्रीय बेंचमार्किंग: गुणवत्ता आश्वासन और NIRF से जुड़ाव

राजकीय महाविद्यालय बनबसा **गुणवत्ता आश्वासन, अनुपालन और राष्ट्रीय रैंकिंग** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है।

- **IQAC ढाँचा:** संस्था ने प्रिंसिपल की देखरेख में एक **आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)** की स्थापना की है। IQAC संरचना को अपनाने से पता चलता है कि संस्था निरंतर, सचेत गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में **NAAC** द्वारा निर्धारित मार्ग का अनुसरण कर रही है。
- **NIRF सहभागिता:** महाविद्यालय ने **NIRF '2022'** के लिए डेटा प्रस्तुत किया। NIRF में सक्रिय भागीदारी सहकर्मी संस्थानों के मुकाबले **राष्ट्रीय बेंचमार्किंग** के लिए महाविद्यालय की महत्वाकांक्षा को इंगित करती है, जो एक **परिपक्व संस्थागत दृष्टिकोण** का प्रमाण है।
- **नामांकन रिकॉर्डिंग:** NIRF सबमिशन की संरचना पुष्टि करती है कि महाविद्यालय **केंद्र सरकार के मानकों** का पालन करता है , जो अनुदैर्ध्य नामांकन ट्रैकिंग के लिए आवश्यक है।

महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार/कार्यशाला का फोटो कोलाज

प्रदेश और शैक्षिक नेतृत्व का आशीर्वाद

उत्तराखंड के नेतृत्व का समर्थन और शैक्षिक जगत की सराहना

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, को उसके प्रयासों के लिए उत्तराखंड के शीर्ष राजनीतिक और शैक्षिक नेतृत्व का निरंतर प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है।

- **मुख्यमंत्री, श्री पुष्कर सिंह धामी** ने महाविद्यालय के प्रकाशन पर शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं, यह विश्वास व्यक्त करते हुए कि यह छात्रों को उनकी **सृजनात्मक एवं रचनात्मक क्षमताओं** के विकास हेतु सशक्त मंच उपलब्ध कराती हैं।
- **उच्च शिक्षा मंत्री , डॉ० धन सिंह रावत** ने संस्था को **आधुनिक जीवन की चुनौतियों** के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के **सर्वांगीण विकास** में सराहनीय योगदान के लिए सराहना की है।
- **सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय** के कुलपति **प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट** और **कुमाऊँ विश्वविद्यालय** के प्रो० दीवान एस. रावत ने प्रकाशन को **रचनात्मक बनाने** और **बौद्धिक विकास** को दर्शाने वाला एक सराहनीय प्रयास बताया है।
- **श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय** के कुलपति **प्रो० एन० के० जोशी** ने कहा है कि वार्षिक पत्रिका छात्रों में छिपी हुई प्रतिभा , **साहित्य-संस्कृति एवं रचनात्मक उन्नयन** को उजागर कर रही है।

छात्र कल्याण का विस्तार, सामाजिक समन्वय और भविष्योन्मुखी योजनाएँ

महाविद्यालय छात्रों के शैक्षणिक और सामाजिक हितों को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कल्याणकारी पहलों और संगठनात्मक समन्वय पर ज़ोर देता है।

संगठनात्मक समन्वय:

- **अभिभावक शिक्षक संघ (PTA)** का सक्रिय गठन किया गया है । PTA का प्रमुख उद्देश्य शिक्षण-अध्ययन हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित करना और उनकी कक्षाओं में उपस्थिति सुनिश्चित करना है।
- **भविष्योन्मुखी मांग:** PTA की बैठक में 03 नए विषय **इतिहास, गृह विज्ञान, और भूगोल** को खोलने की मांग की गई है । छात्रों के लिए **यात्रा किराया** प्रदान करने की मांग भी की गई है।

कल्याणकारी योजनाएँ:

- **मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना** और **दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना** के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- **एंटी-रैगिंग सेल** और **एंटी ड्रग सेल** संस्था में एक सुरक्षित और अनुशासित परिसर सुनिश्चित करते हैं।

अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक / एंटी-रैगिंग सेल और एंटी ड्रग सेल का फोटो

ज्ञान, आस्था और सेवा का केंद्र: भविष्य की ओर दृष्टि

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा, की 2014 से 2025 तक की यात्रा **अटूट संकल्प** और **अथक परिश्रम** का प्रमाण है।

अंतिम विज़न:

महाविद्यालय का विज़न स्पष्ट है: ज्ञान के साथ संस्कार, विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, और व्यक्तिगत उन्नति के साथ सामुदायिक कल्याण। संस्थान भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध है और ज्ञान, आस्था, और सेवा का एक अद्वितीय केंद्र बना रहेगा, जिस पर प्रदेश और राष्ट्र सदैव गर्व कर सकेंगे।

शिक्षण स्टाफ और कर्मचारियों का आधिकारिक समूह फोटो